प्रारम्भिक सम्बोधन

माननीय सदस्यगण, पंचदश बिहार विधान सभा के एकादश सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर मैं आप सबों का स्वागत करता हूँ ।

वर्त्तमान सत्र के दौरान राजकीय विधेयक, गैर-सरकारी संकल्प तथा वित्तीय वर्ष 2013-14 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी के व्यवस्थापन का कार्यक्रम निर्धारित है ।

लोकतंत्र के कार्यकरण के लिए संवाद अनिवार्य है परन्तु एक ओर जहां सहिष्णुता लोकतांत्रिक समाज की अधारभूत विशेषता है वहीं दूसरी ओर असहिष्णुता लोकतंत्र का विरोधी है । लोकतांत्रिक व्यवस्था को खतरा में डालने वाला आतंकवाद, साम्प्रदायिक धार्मिक कट्टरवाद और आक्रामक विचारधारा जैसी सामान्य कारकों से हम सभी को सावधान तथा एकजुट होकर सामना करना चाहिए।

लोकतंत्र को मजबूत एवं प्रभावशाली बनाने हेतु जनता की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के प्रति वर्त्तमान संसदीय प्रणाली को और अधिक संवेदनशील और प्रभावशाली बनाने की आवश्यकता है, जिसके लिए सदन में सत्तापक्ष को सकारात्मक और विपक्ष को सृजनात्मक भूमिका का निर्वहन करना चाहिए ।

पूर्व की भांति सदन में प्रश्नोत्तर-काल आकाशवाणी और दूर-दर्शन से सीधा एवं डेफर्ड प्रसारण कराने की व्यवथा की गई है, जिससे बिहार के आम-आवाम सदन में आपकी गतिविधियों से रू-ब-रू हो सकेगें । बिहार विधान सभा की कार्यवाही को जन-जन तक पहुंचाने के लिए बिहार विधान सभा ने webcast सेवा प्रदान की है जिसे webcast.gov.in/biharvs पर देखा जा सकता है । साथ ही संसदीय प्रणाली को प्रभावशाली बनाने हेतु बिहार विधान सभा सचिवालय ने प्रश्नों की ऑन लाईन सूचना प्रणाली प्रारम्भ की है, जिससे माननीय सदस्यों को प्रश्न देने, प्रश्नों के उत्तर जानने संबंधी सुविधायें प्रदान हुई है, जिसे आप http://www.blaqrms.bih.nic.in पर देख सकते हैं तथा उसका भरपूर लाभ ले सकते हैं ।

मुझे आशा और विश्वास है कि सदन के संचालन में आप सभी का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा ।

.....